

AR - 505

Second Semester B. Sc. (Part - I) Examination

SANSKRIT (आवश्यक संस्कृत)

P. Pages : 3

वेळ : तीन तास]

[एकूण गुण : 40

Note : Answer the questions in the medium offered.

सूचना : उत्तरे स्वीकृत माध्यमातून लिहावित.

सूचना : उत्तर स्वीकृत माध्यम में लिखिए।

1. खालीलपैकी कोणत्याही एका श्लोकाचा अनुवाद करा.
निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का अनुवाद कीजिए।

Translate any **one** of the following :—

(1) सर्वयोनिषु कौन्तेय मूर्तयःसम्भवन्ति याः।

तासां ब्रम्हमहद्योनिरहं बीजप्रदःपिता॥

(2) रजो रागात्मकं विद्धि तृष्णासङ्गसमुद्भवम्।

तन्निबध्नाति कौन्तेय कर्मसङ्गेन देहिनम्॥

6

2. खालीलपैकी कोणत्याही एका श्लोकाचा अनुवाद करा.
निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का अनुवाद कीजिए।

Translate any **one** of the following :—

(1) सर्वद्वारेषु देहेऽस्मिन्प्रकाश उपजायते।

ज्ञानं यदा तदा विद्याद्विवृद्धं सत्त्वमित्युत ॥

AR - 505

P.T.O.

(2) लोभःप्रवृत्तिरारम्भः कर्मणामशमः स्पृहा।
रजस्येतानि जायन्ते विवृध्दे भरतर्षभ॥ 6

Write about the advice given to अर्जुन by श्रीकृष्ण according to 'गुणत्रयविभागयोग'. 10

3. खालीलपैकी कोणत्याही एका श्लोकाचा अनुवाद करा.
निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का अनुवाद कीजिए।
Translate any one of the following :—

(1) उदासीनवदासीनो गुणैर्यो न विचाल्यते।
गुणा वर्तन्त इत्येव योऽवतिष्ठति नेङ्गते॥
(2) समदुःखसुखः स्वस्थः समलोष्टाश्मकाञ्चनः।
तुल्यप्रियाप्रियो धीरस्तुल्यनिन्दात्मसंस्तुति॥ 6

5. खालीलपैकी कोणत्याही दोन वर टिपा लिहा.
निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए।
Write short notes on any two of the following :—

(1) तमोगुण.
(2) त्रिगुणस्य कार्यम्.
(3) प्रकृती. 12

4. श्रीमद्भगवद्गीतेच्या चौदाव्या अध्यायाचा सारांश लिहा.
श्रीमद्भगवद्गीता के चौदहवे अध्याय का सारांश लिखिए।
Write the summary of the fourteenth chapter of श्रीमद्भगवद्गीता.

किंवा/अथवा/OR

'गुणत्रयविभागयोग' अध्यायाच्या आधारे श्रीकृष्णाने अर्जुनाला केलेल्या उपदेशाविषयी लिहा.

'गुणत्रयविभागयोग' अध्याय के आधार पर श्रीकृष्णने अर्जुन को किए हुये उपदेश के बारे में लिखिए।